बृहस्पतिवार
01 जून 2023

पृष्ठ 4

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है तोरई

पृष्ठ 5

सुनील शेट्टी ने की सलमान खान की दिल खोलकर तारीफ, बताया गोल्डन हार्ट

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 120
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

दुख को दूर करने की एक ही अमोघ औषधि है, मन से दुखों की चिंता न करना।

— वेदव्यास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात कमांडो ने गोली मारकर की आत्महत्या

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात कमांडों ने बैरक में स्वय को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूत्रों के अनुसार काफी समय से छुटटी की मांग कर रहा था लेकिन छुटटी न मिलने से मृतक कमांडों परेशान चल रहा था। सूचना मिलते ही एसएसपी, एसपी सिटी व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दोपहर कैण्ट कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि मुख्यमंत्री आवास में तैनात कमांडों ने अपनी बैरेक में स्वंय को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही कैण्ट कोतवाली पुलिस ने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री आवार पर तैनात कंमाडों की आत्महत्या किये जाने की खबर मिलते ही आईजी गढवाल रेंज करनसिंह नगन्याल, डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर, एसपी सिटी श्रीमती सरिता डोभाल, सीओ डालनवाला अभिनव चौधरी मौके

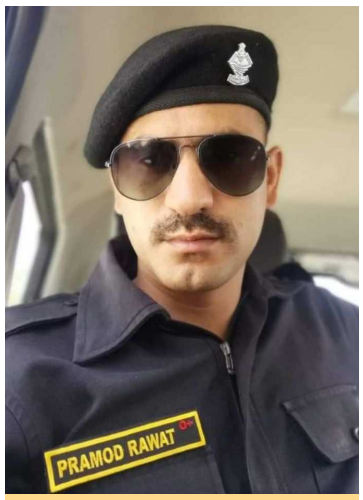

❑छुट्टी न मिलने से परेशान था प्रमोद

पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

पुलिस के अनुसार मृतक का नाम पौडी निवासी प्रमोद रावत है जो यहां मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात था। बताया जा रहा है कि वह 40वी वाहिनी पीएसी का सिपाही था तथा 2016 से मुख्यमंत्री आवास में तैनात था। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पाया कि मृतक ने अपने ही हथियार से गोली मारकर आत्महत्या की है। वह यहीं सीएम आवास में ही बैरेक में रहता था। सूत्रों के अनुसार प्रमोद के परिवार में भागवत कथा चल रही थी जिसके लिए वह कई दिनों से अधिकारियों से छुटटी मांग रहा था लेकिन अधिकारियों ने उसकी छुटटी मंजूर नहीं की थी जिसके बाद वह परेशान चल रह रहा था। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के पश्चात शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के परिजनों ने घटना की सूचना दे दी है। मुख्यमंत्री के कमांडों के द्वारा आत्महत्या किये जाने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। अन्य बैरकों में रहने वाले कर्मचारी भी वहां पर पहुंच गये थे।

ट्रक व बुलेरो की टक्कर से दो की मौत, चार घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक ट्रक व बुलेरो की टक्कर से बुलेरो सवार छह लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान दो लोगों की मौत हो गयी वहीं चार की हालत नाजुक बनी हुई है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग पर देवप्रयाग से 13 किलोमीटर दूर तीनधारा के समीप घटित हुआ है। यहां बुलेरो और ट्रक में भिड़ंत हो गई। हादसे में बोलेरो सवार छह लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें 108 के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवप्रयाग ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान दो लोगों की मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार आज सुबह तीन धारा के एनटीपीसी मोड़ के पास एक बुलेरो और ट्रक की टक्कर हो गयी। जिसमें महेश वर्मा (45) पुत्र रामदीन निवासी कस्बा बीसलपुर जिला पीलीभीत, धर्मपाल (30) पुत्र रामखेलावन, महेंद्र

(25), नरेश (25) पुत्र डोरीलाल निवासी उपरोक्त, रमेश (40) पुत्र जसवंत निवासी उपरोक्त और सोहन सिंह पुंडीर (28) पुत्र दानवीर पुंडीर निवासी ग्राम चिलेडी पोस्ट थाती बडियार गढ़ टिहरी गढ़वाल गम्भीर घायल हो गये। जिन्हे तत्काल देवप्रयाग अस्पताल भिजवाया गया। बताया जा रहा है कि सभी लोग पीलीभीत से श्रीनगर काम करने जा रहे थे।

उपचार के दौरान रमेश और सोहन सिंह की मौत हो गई है। अन्य चार का उपचार देवप्रयाग अस्पताल में चल रहा है। दोनों वाहनों को पुलिस ने कब्जे में लिया गया है। वहीं दूसरी ओर कोटद्वार पौड़ी हाइवे पर बैरगांव के पास एक कार खाई में गिरकर पेड़ पर अटक गई। दुर्घटना में तीन महिला समेत चार लोग घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी लोग चौबट्टाखाल के किलवास गांव से पूजा में शामिल होकर दिल्ली लौट रहे थे।

भारतीय वायु सेना का ट्रेनिंग विमान हुआ हादसे का शिकार, दोनों पायलट सुरक्षित

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना का एक किरन प्रशिक्षण विमान चामराजनगर जिले के एक गांव में खुले मैदान में बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि विमान में सवार दोनों पायलट दुर्घटना से पहले सुरक्षित तरीके से विमान से कूद गए। प्रशिक्षण विमान ने बेंगलुरु में वायु सेना अड्डे से उड़ान भरी थी और यह सुबह के वक्त भोगापुर गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिले के अधिकारियों ने बताया कि तेजपाल और भूमिका को मामूली चोटें आई हैं। इसमें किसी की जान नहीं गई। वायुसेना के अनुसार पायलट नियमित

अभ्यास पर थे और तभी यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं। वायु सेना ने ट्वीट किया, 'वायुसेना का किरन प्रशिक्षण विमान कर्नाटक के चामराजनगर के निकट आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वह नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। चालक दल के दोनों सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं।'

न्यायिक आयोग करेगी मणिपुर हिंसा की जांच, 6 केस की जांच सीबीआई करेगी

इंफाल। मणिपुर की यात्रा पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने बताया कि मणिपुर में हुई हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया गया है।

हाईकोर्ट के रिटायर जज के नेतृत्व में आयोग जांच करेगी। हिंसा के 6 केस की जांच सीबीआई की स्पेशल टीम करेगी। अमित शाह ने अपील की कि जिनके पास अवैध हथियार हैं वे जमा कर दें। उन्होंने कहा कि कल से पुलिस कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाएगी। अगर इस दौरान हथियार मिले तो सख्त कार्रवाई होगी। अमित शाह ने कहा, 29 अप्रैल को मणिपुर हाईकोर्ट ने जल्दबाजी में फैसला दिया, जिसके चलते यहां जातीय

हिंसा की शुरुआत हुई। पिछले छह साल से, जबसे मणिपुर में भाजपा की सरकार आई, यह हिंसा से मुक्त रहा। हिंसा में जिन लोगों की मौत हुई उनके परिवारों के प्रति प्रधानमंत्री की ओर से, मेरी ओर से और भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त करता हूं। मणिपुर में अभी बहुत सी एजेंसियां काम कर रहीं हैं, उनके बीच बेहतर समन्वय के लिए सलाहकार कुलदीप सिंह (रिटायर डीजी सीआरपीएफ) की अध्यक्षता में इंटर एजेंसी यूनिफाइड कमांड की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, जितने भी केस दर्ज किए गए हैं उनमें से 5 केस चुने गए हैं और एक केस साजिश रचने के संबंध में दर्ज किया गया है। इन छह केस की जांच सीबीआई का विशेष दल करेगा। हिंसा में जितने भी लोगों की जान गई है उनके परिजनों को 5 लाख रुपए मणिपुर सरकार की ओर से और पांच लाख रुपए भारत सरकार की ओर से दी जाएगी। पैसे सीधे बैंक अकाउंट में भेजे जाएंगे। जो लोग घायल हुए हैं और जिनकी संपत्ति का नुकसान हुआ है उनलोगों के लिए भी राहत पैकेज तय किया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

देवभूमि की केरला स्टोरी

अभी बीते दिनों लव जेहाद के थीम पर बनी केरला स्टोरी फिल्म को लेकर पूरे देश में बड़ा बवाल हुआ था। इस लव जेहाद का जो शोर इन दिनों पूरे देश में सुनाई दे रहा है उसके पीछे का सच क्या है? यह एक अलग विषय है लेकिन इस सच को कतई भी नहीं नकारा जा सकता है कि एक समुदाय विशेष के लोगों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ एक सोची-समझी योजना के तहत लव जिहाद के एजेंडे पर काम किया जा रहा है। दिल्ली में अभी हाल ही में हुए साक्षी मर्डर केस में आरोपी साहिल के बारे में जो जानकारियां सामने आई हैं तथा रुद्राक्ष की माला पहने और हाथ में कलावा बांधे उसकी तस्वीरें हाथ लगी है वह इस बात का साक्ष्य है कि मुस्लिम समुदाय के लड़के अपना नाम छुपा कर और पहचान छुपाकर हिंदुओं की कम उम्र की लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फंसाते हैं और उनका शारीरिक शोषण करते हैं तथा उनकी आपत्तिजनक वीडियो आदि बनाकर उनका जीवन नर्क बना देते हैं या फिर उन्हें साक्षी की तरह मौत की नींद सुला देते हैं। उत्तराखंड के चकराता में बीते 30 जून की रात एक ऐसा ही मामला सामने आया है जब दो मुस्लिम युवक एक 15 साल की नाबालिग लड़की को लेकर पहले एक होटल पहुंचे लेकिन उन पर शक होने के बाद कोटी कनसर में किसी होमस्टे में पहुंचे लेकिन यहां उन्हें दबोच लिया गया और फर्जी हिंदू नामों का सहारा लेकर एक 15 वर्षीय नाबालिक लड़की का जीवन तबाह होने से बच गया। यह दोनों आरोपी मुस्लिम युवक सहारनपुर और ढकरानी के रहने वाले हैं जो पोंटा साहिब में नाई का काम करते थे तथा पीड़ित लड़की हिमाचल की रहने वाली है। इससे पहले अभी पुरोला में दो मुस्लिम युवकों को स्थानीय लोगों द्वारा पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया था जो एक 14-15 साल की स्कूल की छात्रा को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले थे इस घटना को लेकर क्षेत्रवासी जब आंदोलन पर उतर आए तो क्षेत्र में कई तरह का कारोबार करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी दुकानों में ताले डाल कर भागने पर मजबूर हो गए। पुरोला का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब चकराता क्षेत्र में एक और केरला स्टोरी सामने आ गई। यह घटनाएं यह बताने के लिए काफी है कि देश में कुछ न कुछ तो है जो गड़बड़ है। भले ही देश के नेताओं के लिए यह वोटों के ध्रुवीकरण का मुद्दा हो या वह इसमें भी हिंदू-मुस्लिम तलाश रहे हो लेकिन इन घटनाओं से जिस तरह के षड्यंत्र की बू आ रही है उसे नकारा नहीं जा सकता। कुछ मुस्लिम लोग और नेता इसे प्रेम-मोहब्बत का नाम देकर इस पर पर्दा डालने का प्रयास करते रहे हैं लेकिन प्रेम-मोहब्बत और लव जेहाद में बड़ा फर्क है। अगर प्रेम की बात है तो उसमें किसी लड़के-लड़की को अपनी जाति और धर्म छुपाने की क्या जरूरत है? हमारा संविधान हर एक बालिग नागरिक को अपनी पसंद को प्यार करने और विवाह करने तथा साथ रहने की इजाजत देता है। देश में हजारों मिसाले हैं कि हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई या यूं कहें कि विजातीय धर्म और समुदाय के लोगों ने प्यार किया, विवाह किया और समाज में सम्मान के साथ रह रहे हैं। लेकिन अगर आप कुछ छुपा कर कुछ कर रहे हैं तो वह प्यार नहीं षडयंत्र ही है। चकराता केस में जब आरोपियों को पकड़ा गया तो पता चला कि लड़की जो उनके साथ थी उसे यह पता ही नहीं था कि वह मुसलमान हैं। मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान का कहना है कि यह एक अंडरकवर एजेंडा है जो पूरे प्रदेश व देश में चलाया जा रहा है इस एजेंडे को कौन चला रहा है तथा इसके लिए फंड कहां से आ रहा है इसका पता पुलिस-प्रशासन को लगाना चाहिए।

'मैडम आपदा काल में चार महीने कैद रहते है हम'

❑ग्राम पंचायत टांगा के ग्रामीणों ने जिलाअधिकारी को सुनाया अपना दुखड़ा

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। जिला अधिकारी रीना जोशी से जब आज ग्राम पंचायत टांगा के ग्रामीणों ने कहा कि मैडम हम आपदा काल में चार महीने गांव में ही कैद रहते है।ना कोई गांव से बाहर जा सकता है ना ही कोई बाहर से गांव में प्रवेश कर सकता है। इन शब्दों को सुनकर डीएम भी चौंक गयी। उत्तराखंड में ग्राम पंचायत टांगा पहला गांव है,जहां आपदा के कारण 1100 की आबादी चार महीने कष्ैद रहती है।

चीन सीमा क्षेत्र से लगे विकास खंड मुनस्यारी के ग्राम पंचायत टांगा में वर्ष 2018 में आई भीषण आपदा के कारण टांगा को जोड़ने वाला पैदल पुलिया बह गयी थी। पैदल पुलिया बहने के बाद ग्रामीण निर्माण विभाग डीडीहाट ने दो गरारी बनाई। रखरखाव तथा मरम्मत के अभाव में गरारी से बरसात के समय आर पार जाना जानलेवा बन गया है। गरारी से दर्जनों ग्रामीण बहुत बार चोटिल हो गए। मोटर पुलिया का निर्माण लोक निर्माण विभाग डीडीहाट द्वारा सात सालों के बाद भी नहीं किया गया। आज जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया तथा टांगा की ग्राम प्रधान सुनीता परिहार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पांच किलोमीटर पैदल चलकर कूल 115 किमी की दूरी तय कर डीएम से मुलाकात की। ग्रामीणों ने जब जिला अधिकारी रीना जोशी से कहा कि मैम हम चार महीने गांव में कैद रहते है।अपना दुखड़ा सुनाते हुए बताया कि वर्ष 2018 में दो गरारी बनाई गई, जो अब आर पार जाने लायक नहीं है। पहले प्राथमिक विद्यालय दानीबगड में दो शिक्षक थे। बरसात के समय सेराघाट गाड़ के दोनों साइटों में एक-एक शिक्षक पढ़ाते थे। बच्चों तथा दोनों शिक्षकों का मिलन भी चार महीने के बाद ही होता था।

ग्रामीणों ने बताया कि इस बार तो एक ही शिक्षक है। बरसात के समय एक शिक्षक किस साइट के बच्चों को पढ़ाएगा, यह समस्या बनी हुई है। डीएम ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए तत्काल मोटर पुलिया निर्माण तथा गरारी की मरम्मत के लिए आपदा मद से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए लोक निर्माण विभाग डीडीहाट के अधिशासी अभियंता तथा अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग डीडीहाट से फोन पर बातचीत कर प्रस्ताव पुटप करने के आदेश दिए। उन्होंने जिला आपदा प्रबंध न अधिकारी को दोनों मामलों में समन्वय स्थापित कर कार्यवाही करने के आदेश दिए। ताकि समस्या का शीघ्र समाधान हो सके। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन में गांव के लोदीधुरा तोक को छोड़ दिया गया। वर्ष 2014 से बने लोदी मोटर मार्ग को डामरीकृत करने की भी मांग उठी।

प्रतिनिधि मंडल में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया, टांगा की ग्राम प्रधान सुनीता परिहार, गोविंद सिंह परिहार, भवान सिंह परिहार, पूर्णिमा देवी मेहता, देवेन्द्र सिंह राणा, दीपक परिहार आदि मौजूद रहे।

विवाह समारोह के दौरान हुई हत्या में फरार 10वां आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विवाह समारोह के दौरान हुए विवाद में एक युवक की हत्या करने व अन्य पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहा 10वें आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया है। मामले में पुलिस 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

विदित हो कि मुकेश कुमार पुत्र मामचन्द निवासी ग्राम हबीबपुर कडी द्वारा बीती 22 मई को कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर बताया गया था कि आकाश व अमन पुत्र संजय निवासी रायसी, कोतवाली लक्सर हरिद्वार व अन्य 6-7 अज्ञात लोगों द्वारा शादी समारोह में डीजे पर डांस करने को लेकर हुए विवाद में उनके पुत्र सागर व अन्य रिश्तेदारो के साथ लाठी , डण्डो, तलवार व गंडासे से जान से मारने की नीयत से मारपीट कर गम्भीर चोट पहुचायी गयी थी साथ ही आरोपी उनके पुत्र सागर को उठाकर ले गये और उसकी हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसमें पुलिस ने पूर्व में ही नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। मामले में शुभम नाम का आरोपी फरार था जिसे पुलिस ने बीती रात बालावाली रोड से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त डण्डा भी बरामद किया गया है।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी की मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नई कालोनी डाकपत्थर निवासी अमित कुमार ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी तथा थोडी देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पौरो अश्वस्य पुरुकृद्गवामस्युत्सो देव हिरण्ययः।
नकिर्हि दानं परिमर्धिषत्त्वे यद्यद्यामि तदा भर॥

(ऋग्वेद ८-६१-६)

हे परमेश्वर ! आपने हमारे लिए इस ब्रह्मांड में सब कुछ बनाया है। आप हमारे शारीरिक बल और मानसिक बल के प्रदाता है। आप जिस को दान देना चाहते हैं, उसे कोई नहीं रोक सकता। हम आपसे जो मांगते हैं, हमें भी प्रदान कीजिए।

O God ! You have created everything in this universe for us. You are the provider of our physical and mental strength. No one can stop You from giving the gift to anyone. Give us also what we request You. (Rig Ved 8-61-6)

महाजनसंपर्क अभियान में पहुंची टिहरी सांसद

संवाददाता

देहरादून। भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान में टिहरी सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह ने पहुंचकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढाया।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी द्वारा महाजनसंपर्क अभियान शुरुआत की गई, इसी के निमित्त राजपुर रोड विधानसभा के अंतर्गत अंबेडकर नगर मंडल के वार्ड संख्या 21 एमकेपी में प्रसिद्ध उद्योगपति,समाजसेवी लोकेश जैन व प्रसिद्ध उद्योगपति, समाजसेवी राकेश ओबराय के निवास पर टिहरी लोकसभा की लोकप्रिय सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह का प्रवास रहा। सांसद ने प्रवास के दौरान केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा की व सभी से अनुरोध किया की पूर्व की भांति इस बार

भी आप सब भाजपा को समर्थन देते हुए मोदी को मजबूत करें। इस अवसर पर अंबेडकर नगर मंडल के अध्यक्ष पंकज शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल, पूर्व महानगर अध्यक्ष सीता राम भट्ट, राजपुर रोड विधानसभा के महाजनसंपर्क अभियान के संयोजक देवेंद्र पाल सिंह मोंटी, महाजनसंपर्क अभियान मंडल प्रभारी बबलू बंसल, मंडल प्रभारी संदीप मुखर्जी, महाजनसंपर्क अभियान के मंडल संयोजक व मंडल महामंत्री वैभव अग्रवाल, मंडल महामंत्री अभिषेक नौडियाल, मंडल प्रभारी स्थानीय पार्षद रोहन चंदेल, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर जैन, मंडल मंत्री श्रीमती हिमानी रावत, सोशल मीडिया संयोजक हर्देश लूथरा एवं भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पति पर अश्लील वीडियों अपलोड करने की धमकी देने का केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पति पर मारपीट कर अश्लील वीडियो अपलोड करने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी लक्ष्मी कौर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी शादी 25 फरवरी 2022 को चंचल सिंह पुत्र कृपाल सिंह निवासी रामनगर पीर वाली गली सहदरा नई दिल्ली के साथ सिख धर्म के अनुसार देहरादून में सम्पन्न हुई। विवाह के उपरान्त उसका पति चंचल सिंह उसको कम दान दहेज के लिए तंग परेशान करता था तथा चंचल की बात न मानने पर उसके साथ मार पीट करता था

जिसकी शिकायत उसने थाना कोतवाली पूर्व में की जा चुकी है। परन्तु उसके पति के विरूद्ध जैसे ही प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज हुई तो चंचल सिंह ने उससे अपनी गलती स्वीकार कर अपने साथ दिल्ली ले गया जहां कुछ समय तक पति व वह ठीक रहे परन्तु पुनः उसके साथ मार पीट की जाने लगे जिसके चलते 20 मई 2023 पति ने उसके साथ मार पीट की और अपने घर से चले जाने की धमकी दी जिससे उसने अपने भाई गौतम सिंह को दिल्ली बुलाकर अपने भाई के साथ अपने मायके देहरादून आ गई, तथा चंचल सिंह के द्वारा की गई मार पीट का 21 मई 2023 को देहरादून में अपना इलाज कराया। चंचल के मोबाइल से उसके भाई गौतम के फोन पर फोन आया कि यदि चंचल के विरूद्ध उसने देहरादून में जाकर कोई केस अथवा शिकायत की तो उसकी अश्लील वीडियो जो उसने अपने कमरे में उसकी सहमति के बिना बना रखी थी। उसे इंटरनेट में अपलोड कर देगा जिससे वह कहीं मुहं दिखाने लायक नहीं रहेगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने मालसी पुलिस हर्रावाला में एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। पुलिस ने उसके थैले की तलाशी ली तो उसमें से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम गरीब दास पुत्र हरपाल सिंह निवासी नकरौदा बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने डांडा जीवनगढ में एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से साढे छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम असलम पुत्र शफीक निवासी नवाबगढ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

सुबह की पहली ड्रिंक दूध या जूस, क्या है बेहतर

यह बात न सिर्फ हमारे बड़े बुजुर्ग कहते आ रहे हैं बल्कि अब तो यह बात पूरी तरह से साबित भी हो चुकी है कि ब्रेकफस्ट हमारे दिन का सबसे अहम मील है और किसी भी हाल में ब्रेकफस्ट को स्किप नहीं करना चाहिए। इतना ही नहीं, आप ब्रेकफस्ट में क्या खाते हैं इस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। रात के डिनर के बाद जब हम सोते हैं तो कम से कम 8-9 घंटे की फास्टिंग हो जाती है और ऐसे में सुबह-सुबह शरीर को फिर से एनर्जी पाने के लिए ब्रेकफस्ट की जरूरत होती है। लिहाजा पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को ब्रेकफस्ट में शामिल करना चाहिए।

ब्रेकफस्ट में दूध या जूस?

लेकिन एक सवाल जो अक्सर लोगों के मन में आता है कि- ब्रेकफस्ट में दूध पीना चाहिए या जूस? बहुत से लोग ब्रेकफस्ट में कैल्शियम से भरपूर 1 गिलास दूध पीना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ लोगों को सुबह-सुबह नाश्ते में ब्रेड-टोस्ट या ऑमलेट के साथ विटमिन सी से भरपूर 1 गिलास ऑरेंज जूस पीना पसंद होता है। लेकिन सुबह की पहली ड्रिंक के लिहाज से दूध या जूस क्या है बेहतर, यहां जानें दोनों के फायदे और नुकसान।

दूध पीने के हैं इतने फायदे

दूध कैल्शियम का तो बेस्ट सोर्स है ही, साथ ही दूध में प्रोटीन, विटमिन बी 12, हेल्दी फैट्स आदि भी भरपूर मात्रा में होते हैं। सदियों से दूध को एक कम्प्लीट मील के तौर पर देखा जाता रहा है। दूध के तमाम फायदों की वजह से ही शरीर को हेल्दी और ऐक्टिव रखने के लिए बड़ी संख्या में लोग दूध का सेवन करते हैं। ऐसे में देखा जाए तो सुबह ब्रेकफस्ट में दूध पीना फायदेमंद हो सकता है।

दूध के कुछ नुकसान भी हैं

दूध में सैच्युरेटेड फैट होता है जिससे मोटापा और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा हो सकता है। साथ ही इन दिनों दूध देने वाले जानवरों को इंजेक्शन भी लगाया जाता है ताकि वे ज्यादा दूध दे सकें और इस इंजेक्शन का भी हमारी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में जब तक आप दूध की क्वॉलिटी को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त न हों सुबह-सुबह दूध पीने से बचें। बहुत से लोगों में लैक्टोज इनटॉलरेंस की भी दिक्कत होती है और ऐसे लोगों को भी दूध से बचना चाहिए। कई बार ज्यादा दूध पीने से डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें भी हो जाती हैं। हालांकि आप चाहें तो डेयरी मिल्क की जगह सोया मिल्क का सेवन कर सकते हैं।

विटमिन सी से भरपूर ऑरेंज जूस के फायदे

विटमिन सी और ऐंटिऑक्सिडेंट्स से भरपूर ऑरेंज जूस हमारी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाकर हमें बीमारियों से दूर, फिट और हेल्दी रहने में मदद करता है। विटमिन सी शरीर को वातावरण से जुड़ी दिक्कतें जैसे- पलूशन, सूर्य की हानिकारक यूवी किरणें आदि से भी बचाता है। सुबह ब्रेकफस्ट में अगर आप 1 गिलास ऑरेंज जूस पी लें तो आपके दिनभर की विटमिन सी की जरूरत पूरी हो जाती है।

ऑरेंज जूस के नुकसान

हालांकि अगर आप घर में खुद ऑरेंज का जूस निकालकर फ्रेश जूस पी रहे हैं तभी वो फायदेमंद होगा। डिब्बाबंद या पैकेज्ड ऑरेंज जूस में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है और वो फ्रेश नहीं होता, काफी पुराना होता है, उसमें जूस का टेस्ट बढ़ाने के लिए केमिकल्स भी मिले होते हैं। फ्रेश ऑरेंज जूस के साथ भी एक दिक्कत ये है कि जब आप फल का जूस निकालते हैं तो उसके ज्यादातर पोषक तत्व बाहर निकल जाते हैं और जूस में सिर्फ पानी ही रह जाता है।

ऑरेंज जूस नहीं दूध है बेहतर

जूस और दूध की इस जंग में दूध बाजी मारता नजर आ रहा है क्योंकि दूध में कैल्शियम होता है जो हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है जबकी ऑरेंज जूस दांतों के इनैमल को नुकसान पहुंचा सकता है। दूसरी बात ये है कि 1 गिलास दूध पीने से आपका पेट भरा हुआ महसूस होता है और आपको देर तक भूख नहीं लगती जबकी 1 गिलास जूस पीने के बाद आपको पेट भरने वाली फीलिंग नहीं आती। दूध में हेल्दी प्रोटीन होता है जिससे आप दिनभर अनहेल्दी स्नैकिंग करने से बच सकते हैं। लिहाजा डिनर और ब्रेकफस्ट के बीच के 8-9 घंटे की फास्टिंग को तोड़ने के लिए जूस से बेहतर ऑप्शन है दूध।

खरबूजा सेहत के लिए बडा ही लाभकारी फल

खरबूजा एक फल है। यह पकने पर हरे से पीले रंग के हो जाते हैं, हालांकि यह कई रंगों में उपलब्ध है। मूल रूप से इसके फल लम्बी लताओं में लगते हैं। खरबूजा में विटामिन व मिनरल्स काफी मात्रा पाये जाते हैं। यह वजह है इससे खाने से बॉडी कई सारे लाभ होते हैं। खरबूजे में 95 प्रतिशत पानी होता है, जिससे शरीर को ठंडक तो मिलती ही है।

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए खरबूजे का सेवन एक बेस्ट ऑप्शन है।

खरबूजा हृदय में जलन की समस्या को दूर होती है और किडनी की सफाई अच्छे से करता है।

खरबूजे में एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं। साथ ही पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी व विटामिन ए पाया जाता है। इसीलिए इसके नियमित सेवन से त्वचा जवां बनी रहती है।

खरबूजा लंग कैंसर से हमारी बॉडली की रक्षा करने में मदद कर सकता है। साथ ही, इसमें मौजूद विटामिन सी व बिटा-कैरोटेन मिलकर कैंसर रोकने में सहायक हो सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में खरबूजा शरीर की गर्मी और उससे जुडे रोगों को रोक देता है।

अगर आप वजन घटाने चाहती हैं तो खरबूजा बहुत अनुकूल फल है। क्योंकि इसमें काफी मात्रा में कैलोरी या शुगर मौजूद होती हैं।

इन तरीकों से नहाने पर बॉडी पेन में मिलती है तुरंत राहत

एक वक्त था जब हम घड़ी देखा करते थे कितने बजे हैं? एक आज का वक्त है कि घड़ी हमें दिखाती है कि इतना वक्त हो गया और तुम्हारा इतना ज्यादा काम बाकी है। हर समय हमारे दिमाग पर काम का प्रेशर रहता है, कभी ऑफिस का काम तो कभी घर का काम। ऐसे में शारीरिक और मानसिक थकान होना तय है। इस स्थिति में हम कुछ ऐसा चाहते हैं जो हमें तुरंत राहत दे सके। हमारे शरीर में फिर से एनर्जी भर सके कि हम बाकी बचे काम को गोली की स्पीड से पूरा कर लें। अब सवाल यह उठता है कि ऐसा है क्या किया जा सकता है जो तुरंत राहत दे...

जानकर आप हैरान हो सकते हैं कि थकान और बॉडी पेन दूर करने के लिए हम आपको नहाने की सलाह दे रहे हैं। लेकिन आपको वैसे नहीं नहाना है, जैसे आप अब तक नाहते रहे हैं। आपको अपने नहाने के पानी में कुछ हर्ब्स मिलानी हैं। ये आपकी बॉडी में बढ़े तनाव, जलन और थकान को कम कर आपको तुरंत राहत देंगी। इस तरह नहाने का तरीका हर्ब बाथ के नाम से जाना जाता है।

कैसे करना चाहिए हर्ब बाथ?

– हर्ब बाथ करने के लिए आप कोई भी हर्ब चुन सकते हैं। जैसे, लैवंडर, पिपरमिंट, रोजमैरी और अजवाइन। अगर आपके पास ये लिक्विड फॉर्म में हैं तो आप इन्हें 25 से 30 मिलीलीटर लें। वहीं अगर ये हर्ब्स आपके पास ड्राई फॉर्म में हैं तो आप बाथ टब के लिए 5 से 6 स्पून और बकेट के लिए 3 से 4 स्पून ले सकते हैं।

अगर आपके पास सूखी हर्ब हैं तो अब आप एक लीटर पानी लेकर उसमें ये हर्ब डाल दीजिए। इस पानी को उबाल लीजिए और फिर 20 मिनट के लिए सोक करने के लिए छोड़ दीजिए। ब इस पानी को छलनी में छानकर अपने नाहने के पानी या बाथ टब में भरे पानी में मिला लीजिए। इस बात का ध्यान रखिए कि जब भी आप बहुत थके हुए हों और मौसम ठंडा हो या रात का समय हो तो नहाने का पानी हल्का गुनगुना होना चाहिए। क्योंकि यह बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने और नर्ब्स को रिलैक्स करने का काम करता है।

दूसरा तरीका

आप एक लीटर पानी लीजिए और इसे उबाल लीजिए। इस उबले हुए पानी में लैवंडर या लेमन असेंशियल ऑइल मिक्स कर लीजिए। साथ ही 5 स्पून रोज वॉटर यानी गुलाबजल मिक्स कर लीजिए। तैयार लिक्विड को नहाने के पानी में मिक्स कर लीजिए। बेहतर होगा कि आप बाथ टब में इस पानी को मिक्स कर उसमें 20 मिनट के लिए सोक करें। इससे आपकी मसल्स रिलैक्स होंगी और सारी थकान दूर हो जाएगी।

बैठने के बाद उठने में दिक्कत हो रही है तो न करें नजरअंदाज

आज कम गतिशील जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोग टाइप–2 डायबिटीज का शिकार हो रहे हैं। मधुमेह के लक्षण इतनी जल्दी दिखाई नहीं देते हैं और इसी वजह से इसका इलाज भी देर से शुरू हो पाता है। मधुमेह के शुरुआती चरणों में या तो लक्षण बहुत मध्यम होते हैं या फिर नजर ही नहीं आते हैं।

इस बीमारी का पता तब चलता है जब आप किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या की जांच के लिए डॉक्टर के पास जाते हैं। जब धीरे–धीरे ब्लड शुगर लेवल बहुत ज्यादा बढ़ जाता है तो मधुमेह के लक्षण सामने आने लगते हैं।

जब अग्नाश्य पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन हार्मोन नहीं बना पाता है तब डायबिटीज की स्थिति उत्पन्न होती है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर की मात्रा को नियंत्रित करता है। यदि हाई ब्लड शुगर का इलाज न किया जाए तो इससे शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में शरीर पर कई संकेत एवं बदलाव दिखने लगते हैं।

इसका एक चेतावनीपूर्ण संकेत बैठने की पोजीशन से उठने में दिक्कत होना भी है। जब हाई ब्लड शुगर लेवल जांघों, कूल्हों और टांगों की नसों को प्रभावित करता है तो व्यक्ति को बैठने के बाद उठने में दिक्कत आती है।

इसके अलावा व्यक्ति को कूल्हों और जांघों में तेज दर्द रहता है, जांघों की मांसपेशियां धीरे–धीरे सिकुड़ने और कमजोर होने लगती हैं। पेट में भी तेज दर्द रहता है।

क्या है इलाज

नसों को नुकसान पहुंचने से बचाने के लिए नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम से आप ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रख सकते हैं।

डायट पर दें ध्यान

टाइप–2 डायबिटीज में आपको ऐसे खाद्य पदार्थों से दूरी बनानी है जिनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा ज्यादा होती है। इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। कार्बोहाइड्रेट जल्दी ग्लूकोज में टूट जाता है और इसका असर फैट या प्रोटीन से ज्यादा ब्लड शुगर पर पड़ता है। ब्लड शुगर लेवल को नॉर्मल रेंज में रखने के लिए शुगर, फैट और नमक का सेवन कम कर दें। नाश्ता, लंच और डिनर जरूर करें। एक समय का खाना भी स्किप न करें।

एक्सरसाइज

शारीरिक व्यायाम की मदद से भी ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। हफ्ते में ढ़ाई घंटे तक एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। एक्सरसाइज में आप तेज चलने, सीढियां चढ़ने और बागवानी आदि कर सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है तोरई

तोरई अपने आहार में शामिल करने और गर्मी के महीनों के दौरान शरीर को ठंडा रखने के लिए गर्मियों की आदर्श सब्जी है। पानी की मात्रा में उच्च और कैलोरी पर कम, तुरई कुकुर्बिटेसी या लौकी परिवार से संबंधित है और फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, लोहा, मैग्नीशियम, विटामिन बी 6, पोटेशियम, सोडियम, जस्ता, तांबा और सेलेनियम का भंडार है। तोरई अपने उच्च फाइबर और पानी की मात्रा के साथ आपके कब्ज के मुद्दों को भी कम कर सकती है। गर्मियों के दिनों में तोरई या तुरई कब्ज को कम करने, वजन कम करने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है।

तोरई आपके रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित करने में भी प्रभावी है। यह लिवर के कार्य के लिए भी अद्भुत मानी जाती है क्योंकि सब्जी जहरीले कचरे, शराब के अवशेषों को खत्म करने और वसा के संचय को रोकने में मदद करती है। तोरई गर्मियों के दौरान शरीर की अत्यधिक गर्मी को कम करने में भी मदद करती है, जिसके चलते कई बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

गर्मियों में भूख मर जाती है। लेकिन आप जानते हैं कि इस मौसम से बचने के लिए अच्छी तरह से खाने की जरूरत है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्मी उत्तरी संक्रांति (उत्तरायण) का आखिरी मौसम है, इसलिए गर्मी की तीव्रता और खुश्की अपने चरम पर होती है जिससे शरीर की ताकत का प्राकृतिक नुकसान होता है। अधिक गर्मी और शुष्कता के कारण शरीर से पानी की अत्यधिक हानि होती है। वनस्पति जगत के गुमनाम नायक – तुरई से मिलें। यह विनम्र सब्जी हो सकती है यह स्वास्थ्य लाभों से भरी हुई है जो बहुत अच्छा है।

तोरी के फायदे

1. सूजन को कम करने से लेकर वजन घटाने में सहायता करने तक, तुरई के कई फायदे हैं। सब्जी विटामिन सी, आयरन, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, थायमिन और जिंक का भंडार है जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है।

2. तोरी आयरन और मैंगनीज का एक समृद्ध स्रोत है। यह बीटा कैरोटीन में उच्च है और इस प्रकार आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जानी जाती है।

3. यह लिवर को स्वस्थ रखने का काम करती है। लिवर को डिटॉक्सिफाई करने का काम करती है और शराब के नशे से भी बचाती है।

4. यह दिल के लिए अच्छी है और आपको खतरनाक बीमारियों से बचाने के लिए फ्री रेडिकल्स से लड़ती है।

5. यह फाइबर में उच्च है और विटामिन सी और ए का अच्छा स्रोत है।

सरसों के तेल से दूर होगा दर्द

घुटनों में दर्द की समस्या का अगर सही समय पर इलाज न किया जाए तो यह गंभीर रूप धारण कर सकता है। इसके लिए कुछ घरेलू उपाय अपनाकर दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। आइए आपको एक ऐसे ही घरेलू उपचार के बारे में बताते हैं जिसे आप घर बैठे इस्तेमाल करके अपने घुटनों के दर्द को दूर कर सकते हैं।

सरसों के तेल का इस्तेमाल हमारे घरों में अक्सर खाना बनाने के लिए किया जाता है। घरेलू उपचार के रूप में सरसों का तेल कई प्रकार की बीमारियों को ठीक करने में प्रभावी रूप से अपना असर भी दिखाता है। जबकि घुटनों में होने वाले दर्द को ठीक करने के लिए भी सरसों के तेल में चमत्कारिक गुण देखे गए हैं। सरसों के तेल में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। यह शरीर के जॉइंट्स और खासकर घुटनों की अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व होता है। यह घुटनों में होने वाली सूजन और नसों में होने वाली सूजन को कम करके दर्द से राहत दिलाने का काम कर सकता है। घुटनों के दर्द को ठीक करने के लिए सरसों के तेल में नीचे बताई जा रही इस चीज को मिलाकर इस्तेमाल करने से आपको इसका कम समय में ही फायदा महसूस होगा।

कैसे करना है इस्तेमाल

सामग्री

*दो चम्मच सरसों का तेल

*1 चम्मच हल्दी

बनाने की विधि

*सबसे पहले सरसों के तेल को एक पैन में गर्म होने के लिए रख दें।

*अब इसमें हल्दी को डालें और इसे अच्छी तरह गर्म होने दें।

*अब इस तेल को निकालें और ठंडा होने दें।

*इस बात का ध्यान रखें कि तेल बिल्कुल ठंडा नहीं होने देना है, तेल को हल्का गर्म रहने पर ही इस्तेमाल करना है।

शब्द सामर्थ्य -035

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा–सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

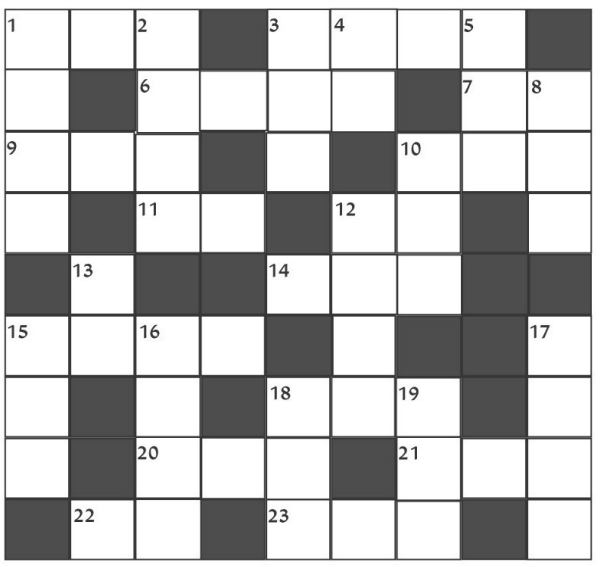

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 34 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

दृश्यम का बनेगा दक्षिण कोरियाई रीमेक

अजय देवगन और तब्बू-स्टारर दृश्यम फ्रेंचाइजी देश की सीमाओं को पार करने जा रही है। दक्षिण कोरियाई दर्शकों के लिए इसका आधिकारिक रीमेक बनाया जाएगा जिसमें फिल्म में वहां के हिसाब से बदलाव किए जाएंगे। दृश्यम-एक भारतीय फ्रेंचाइजी है जिसने हर भारतीय भाषा में सफलता हासिल की है, चाहे वह मलयालम, तमिल, कन्नड़, तेलुगु या हिंदी हो। कान फिल्म फेस्टिवल के इंडिया पवेलियन में रविवार को यह घोषणा हुई।

भारतीय प्रोडक्शन कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज और वार्नर ब्रदर्स के पूर्व स्थानीय कोरियन प्रमुख जे चोई द्वारा स्थापित एंथोलॉजी स्टूडियोज, पैरासाइट अभिनेता सोंग कांग-हो और प्रशंसित निर्देशक किम जी-वून ने कोरियाई रीमेक के लिए भागीदारी की है। दिवंगत निशिकांत कामत द्वारा निर्देशित दृश्यम-का पहला भाग विजय सलगांवकर के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसकी साधारण दुनिया एक आकस्मिक मृत्यु के बाद बिखर जाती है, जिसमें उनके परिवार और उन्हें कानून से बचाने के लिए उनके हताश उपाय शामिल हैं। अजय देवगन, तब्बू और कमलेश सावंत के सराहनीय प्रदर्शन के साथ फिल्म काफी सफल हुई थी।

निमार्ता कुमार मंगत पाठक ने कहा, मैं उत्साहित हूं कि दृश्यम-फ्रेंचाइजी कोरियन में बनाई जा रही है। पहली बार कोई हिंदी फिल्म कोरियन में बनने जा रही है। इससे न केवल भारत के बाहर इसकी पहुंच बढ़ेगी बल्कि हिंदी सिनेमा को वैश्विक मानचित्र पर भी जगह मिलेगी। पिछले कई वर्षों में, हम कोरियाई शैली से प्रेरित हुए हैं, अब उन्होंने हमारी एक फिल्म में प्रेरणा ढूंढ ली है। भारतीय फिल्म बिरादरी के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या हो सकती है।

जे चोई भी इस सहयोग को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, हम कोरियाई सिनेमा की मौलिकता को बरकरार रखते हुए एक व्यापक रूप से सफल हिंदी फिल्म का रीमेक बनाने का अवसर पाकर रोमांचित हैं। कोरिया और भारत के बीच पहले प्रमुख सह-निर्माण के रूप में इस रीमेक का अधिक महत्व है। हमारी साझेदारी के माध्यम से हम भारतीय और कोरियाई दोनों सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ को पर्दे पर उतारने और एक सार्थक रीमेक बनाने में सक्षम होंगे जो मूल फिल्म की तरह ही उत्कृष्ट है।

यह बताते हुए कि फिल्म अपने ट्विस्ट और टर्न से दर्शकों को बांधे रखती है, कुमार मंगत पाठक ने विश्वास जताया कि दृश्यम-फ्रेंचाइजी को कोरिया (और बाकी दुनिया) में भी दर्शक मिलेंगे। उन्होंने अंत में कहा, यह दोनों देशों और उनके फिल्म उद्योगों के बीच एक मूल्यवान सांस्कृतिक आदान-प्रदान की शुरुआत है।

फिल्म सत्यप्रेम की कथा के मेकर्स ने जारी किया रोमांटिक पोस्टर

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा का टीजर रिलीज हुए अभी एक दिन हुआ है, जिसमें दर्शकों को पूरी तरह से एक प्योर रोमांटिक लव स्टोरी की झलक दी है। फिल्म के टीजर में कार्तिक-कियारा की शानदार केमेस्ट्री ने भी लोगों को अपना दीवाना बना दिया। ऐसे में अब मेकर्स ने इस अपकमिंग म्यूजिकल रोमांस का एक नया पोस्टर जारी किया है जिसपर कार्तिक-कियारा की ब्लॉकबस्टर जोड़ी नजर आ रही हैं। मेकर्स ने ये पोस्टर खास आज के दिन इसलिए रिलीज किया है क्योंकि आज भूल भुलैया 2 को एक साल पूरे हो चुके है।

जी हां, दर्शकों को ये पोस्टर लॉन्च उसी दिन देखने को मिला जब 2022 में भूल भुलैया 2 रिलीज हुई थी और जिसमें पहली बार कियारा-कार्तिक की हिट जोड़ी बड़े पर्दे पर दिखी थीं। यह वास्तव में लोगों को आकर्षित करने के लिए एक खास पल है क्योंकि यह 20 मई 2022 था, जब भूल भुलैया 2 रिलीज हुई थी और इस साल 20 मई 2023 को सत्यप्रेम की कथा का पोस्टर रिलीज किया गया है। पोस्टर प्यार में पड़ने के लिए बिल्कुल लायक लग रहा है। जादुई जोड़ी कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के इस पोस्टर ने फिर से प्यार और रोमांटिक वाइब्स की यादें ताजा कर दी है।

सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नम: पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देशक समीर विद्वांस के साथ अपनी अपनी फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता हैं। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शूटिंग के दौरान अनुपम खेर के कंधे में लगी चोट

दिग्गज बॉलीवुड स्टार अनुपम खेर को अपनी अपकमिंग फिल्म विजय 69 की शूटिंग के दौरान कंधे में चोट लग गई। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर स्लिंग में अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, आप स्पोर्ट्स फिल्म करो और आप घायल ना हो!! ऐसा कैसे हो सकता है? कल विजय 69 की शूटिंग के दौरान कंधे में अच्छी खासी चोट लगी। दर्द तो है पर जब कंधे पर स्लिंग लगाने वाले भैया ने बताया कि उन्हें ही शाहरुख खान और रितिक रोशन के कंधों को इस स्लिंग से सजाया था तो पता नहीं क्यों दर्द का अहसास थोड़ा कम हो गया। उन्होंने कहा, पर वैसे अगर थोड़ा जोर से खांसू तो मुंह से हल्की सी चीख जरूर निकलती है! फोटो में मुस्कुराहट के कोशिश असली है! एक दो दिनों बाद शूटिंग जारी रहेगी। वैसे मां ने सुना तो बोली, और दिखा अपनी बॉडी दुनिया को!! तुझे नजर लग गई! मैने जवाब दिया, मां! गिरते है शहसवार ही मैदान ए जंग में। वो तिफल क्या गिरेगा जो घुटनो के बल चले! मां झापड़ मारते मारते रुक गई। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के जीवन की कहानी बताती है, जो 69 वर्ष उम्र में ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में भाग लेने का निर्णय लेता है।

सुनील शेट्टी ने की सलमान खान की दिल खोलकर तारीफ, बताया गोल्डन हार्ट

एक सुपरस्टार को अपने फैन्स का भरपूर प्यार मिलता है और जब बात सलमान खान जैसे सुपरस्टार की हो तो सब कुछ डबल हो जाता है। सब जानते है कि सलमान एक ऐसे सुपरस्टार हैं जिनका दिल सोने का है, ऐसे ही नही उन्हें उनके फैन्स ने भाई का टैग दिया है। जरूरतमंद लोगों के लिए खड़ा होना होने से लेकर गरीब बच्चों की मदद करने तक, इस सुपरस्टार का दिल हर एक के लिए धड़कता है। लेकिन हमने कभी भी उन्हें उनके द्वारा किए गए नेक कामों के बारे में बात करते नही देखा हैं, हालांकि इंडस्ट्री में बाकी सब सलमान खान की इसके लिए जमकर तारीफ करते दिख जाते हैं। सुनील शेट्टी भी उसमें शामिल हैं।

सुनील शेट्टी इंडस्ट्री के उन गिने-चुने लोगों में से हैं जो सलमान खान को बेहद करीब से जानते हैं और उनके साथ अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। सलमान के इतने करीब होने के कारण, सुनील शेट्टी दुनिया को यह बताने का एक मौका नहीं छोड़ते कि वह कितने विनम्र हैं और अक्सर उनकी तारीफ करते दिख जाते हैं। वह वास्तव में यह कहने में दृढ़ विश्वास रखते हैं, मैंने हमेशा कहा है कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी सलमान को मेरी तरह जानता है। सिर्फ एक या दो बार नहीं, बल्कि कई मौके आए हैं जब सुनील शेट्टी ने सलमान खान और उनकी दयालुता के लिए सराहा है। एक बार उन्होंने कहा था, देखिए आज भी सलमान इस मुकाम पर हैं क्योंकि उनका दिल ऐसा है। फिर एक और इंटरव्यू में उन्होंने कहा, जो लोग सलमान को जानते हैं, मैं हमेशा कहता हूं कि आपको सलमान खान को जानने की जरूरत है। खैर, सुनील वास्तव में सलमान को एक गोल्डन हार्ट वाला व्यक्ति कहते हैं। तुम कुछ भी मांगो वह निकाल कर तुम्हें देगा।

बोन मैरो की कमी से जूझ रहे एक बच्चे के लिए सलमान खान द्वारा अपना बोन मैरो टेस्ट करवाने की कहानी बहुत कुछ कहती है कि सलमान खान का दिल कितना बड़ा है। एक और दूसरे मौके पर, सुनील शेट्टी ने जाहिर किया, मुझे अभी भी याद है कि कोई उन्हें बार-बार कॉल कर रहा था, वह गया और मैंने पूछा कि वह कहां जा रहा है लेकिन उसने मुझे नहीं बताया। उसने कहा कि मेरे पास काम है, जब हो जाएगा तो मैं वापस आ जाऊंगा, बाद में मुझे पता चला कि वह एक बच्चे के लिए अपना बोन मैरो टेस्ट कराने गया था, जिसे बोन मैरो कैंसर था और जहां तक मुझे पता है कि यह सबसे दर्दनाक टेस्ट होता है। उसने मुझे बताया भी नहीं, वह चला गया, टेस्ट करवा कर वापस आया, और फिर शामिल हो गए। उन्होंने लोगों के लिए बहुत कुछ किया है, मैं भौतिक चीजों के बारे में बिल्कुल भी बात नहीं कर रहा हूं।

अपनी चैरिटेबल फाउंडेशन, बीइंग ह्यूमन के साथ, सलमान जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाते हैं। फाउंडेशन विभिन्न परियोजनाओं का समर्थन करता है और अन्य गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से भी चैरिटेबल एक्टिविटी परफॉर्म करता है।

ऑटो से घर पहुँची सारा अली खान

सारा अली खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म जरा हटके जरा बचके के प्रमोशन में व्यस्त हैं। मुम्बई में फिल्म के प्रमोशन प्रोग्राम में शामिल होने के बाद घर लौटने के लिए सारा अली खान को ऑटो की सवारी लेनी पड़ी, क्योंकि उनकी गाड़ी नहीं आई थी। सारा अली खान का ऑटो की सवारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हालांकि ट्रोर्ल्स ने उनके इस कदम को सस्ता पब्लिसिटी स्टंट बताया है।

सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जरा हटके जरा बचके को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में सारा अली खान विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। इसी बीच सारा अली खआन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसी वीडियो में सारा अली खान ऑटो की सवारी करती हुई नजर आ रही हैं। जब पैप्स ने इसको लेकर सारा अली खान से सवाल किया, तब एक्ट्रेस ने कहा गाड़ी नहीं आई। सारा ने कहा कि वो पहले भी कई बार ऑटो का सफर कर चुकी है। इस दौरान सारा अली खान पैप्स से फिल्म को लेकर भी सवाल करती नजर आईं। सारा अली खान का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। हर तरह एक्ट्रेस का सादगी की तारीफ होने लगी। इस वीडियो पर सारा अली खान के फैंस दिल वाले इमोजी बनाते हुए नजर आए। आपको बताते चले कि सारा अली खान ऑटो से अपने घर पहुंची थीं।

मेट्रो में सान्या के साथ हुई थी छेड़छाड़!

सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी फिल्म कटहल को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्होंने एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया है। फिल्म में उनके साथ विजयराज हैं जो अपने अभिनय के लिए खास पहचान रखते हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए सान्या मल्होत्रा ने बताया कि जब वो दिल्ली कॉलेज में पढ़ती थीं, तक मेट्रो में सफर करते हुए कुछ लड़कों ने उनके साथ छेड़छाड़ की थी और गलत तरीके से छूने का प्रयास किया। मेट्रो में मौजूद कोई भी शख्स उनकी हेल्प करने के लिए नहीं आया। सान्या ने कहा कि वो वक्त उनके लिए बेहद डरावना था। मेट्रो से निकलने के बाद भी उन लड़कों ने सान्या का पीछा करना जारी रखा। जैसे-तैसे करके सान्या उनसे पीछा छुड़ाने में कामयाब रहीं।

सान्या ने कहा, वे मुझे गलत तरीके से छूने लगे। मैं बिल्कुल अकेली थी और हेल्पलेस महसूस कर रही थी। ऐसी स्थिति में इंसान कुछ नहीं कर सकता। इन सब घटना के बाद आमतौर पर लोग कहते हैं कि तुमने कुछ किया क्यों नहीं। हालांकि उन्हें ये नहीं पता होता कि ऐसे समय में आदमी के हाथ पैर फूलने लगते हैं। आप बस कैसे भी करके इस स्थिति से बच निकलना चाहते हो। सान्या ने कहा कि ये बात बेहद ताज्जुब करने वाली थी कि वहां मौजूद कोई भी शख्स उनकी मदद करने को आगे नहीं आया। उन्होंने आगे कहा, मैं राजीव चौक से निकली, तो वे लड़के वहां भी मेरा पीछे करने लगे। वे लड़के दिखने में लंबे- चौड़े बॉडी बिल्डर टाइप थे। गनीमत ये थी कि वहां भीड़ थी। मैं वॉशरूम गई और अपने पिता को फोन किया। मैंने उनसे तत्काल वहां आने को कहा।

सान्या ने कहा कि स्टार बनने के बाद भी उन्होंने ऐसे सिचुएशन फेस किए हैं। सान्या ने कहा, कुछ साल पहले मेरे साथ एक और घटना हुई थी। उसका फुटेज भी इंटरनेट पर उपलब्ध होगा। मैं कहीं पर थीं तभी एक फैन फोटो क्लिक कराने आया। फोटो लेने के दौरान उसने मेरी कमर पर हाथ रख दिया। मैं बिल्कुल चौंक गईं। मैं काफी ज्यादा असहज हो गई, फिर भी वहां मौजूद कोई भी फोटोग्राफर मदद के लिए आगे नहीं आया। मैंने उस शख्स को बुलाया और कहा कि तुमने ये सही काम नहीं किया है। सान्या मल्होत्रा को दर्शकों में दंगल के बाद पहचान मिली। दंगल में वे आमिर खान की छोटी बेटी की भूमिका में नजर आईं थी। कटहल में नजर आई सान्या मीनाक्षी सुन्दरम, लूडो, पटाखा सरीखी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

विपक्ष के पास अब अध्यादेश का मुद्दा

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियां एक ऐसे मुद्दे की तलाश में थीं, जो राजनीतिक हो, जिसके पीछे कोई वैचारिक आधार हो, जिससे किसी न किसी रूप में न्यायपालिका का जुड़ाव हो और संविधान की मूल भावना भी जुड़ी हुई हो। दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले का फैसला केंद्र के हाथ में रहे इसके लिए एक प्राधिकरण का गठन करने वाले केंद्र के अध्यादेश ने विपक्ष को वह मुद्दा दे दिया है। विपक्ष इस मुद्दे पर बड़ी राजनीतिक लड़ाई लड़ सकता है तो विधायी और कानूनी लड़ाई भी लड़ी जा सकती है। ध्यान रहे एकजुट विपक्ष इससे पहले सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का मामला लेकर सुप्रीम कोर्ट में गया था लेकिन अदालत ने इस पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उस मामले में विपक्ष कमजोर विकेट पर था। ऐसा लग रहा था कि समूचा विपक्ष भ्रष्टाचार के आरोपों से अपनी रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण में गया है। जनता के बीच भी उस मुद्दे का कोई सकारात्मक असर विपक्ष के लिए नहीं था। अब अध्यादेश के रूप में विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है।

अगर विपक्षी पार्टियां साझा प्रयास करती हैं तो इस मुद्दे पर सरकार और भाजपा को उसी तरह से बैकफुट पर ला सकती हैं, जैसे किसानों ने कृषि कानूनों के मसल पर ला दिया था। इसके लिए विपक्ष को इस मुद्दे का दायरा बढ़ाना होगा। यह सिर्फ दिल्ली सरकार तक सीमित रहा तो उसका असर भी सीमित होगा। दायरा बढ़ाने से मतलब है कि जिस तरह से दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामकाज में केंद्र का दखल बढ़ा है उस तरह की स्थितियां कई जगह हैं। महाराष्ट्र को इस मुद्दे के साथ जोड़ा जा सकता है, जहां के तत्कालीन राज्यपाल और विधानसभा स्पीकर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों बेहद तीखी टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं था, जिससे उनको लगे कि उद्धव ठाकरे की सरकार बहुमत खो चुकी है। सर्वोच्च अदालत ने माना कि राज्यपाल की ओर से सदन की बैठक बुलाने और विश्वास मत हासिल करने के लिए कहे जाने की वजह से उद्धव ठाकरे सरकार गिरी थी। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर को लेकर भी कहा था कि उन्होंने विधायक दल को ही पार्टी मान लिया और उसके हिसाब से विधानसभा में व्हिप की नियुक्ति की, जबकि राजनीतिक दल की ओर से नियुक्त व्यक्ति को व्हिप की मान्यता मिलनी चाहिए।

महाराष्ट्र के अलावा जम्मू कश्मीर का मुद्दा भी विपक्ष के पास है, जहां पिछले कई सालों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया स्थगित है। केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया, उस पर ज्यादातर विपक्षी पार्टियों को आपत्ति नहीं है। वह संविधान का एक अस्थायी प्रावधान था, जिसे हटा दिया गया। लेकिन कश्मीर का मामला इतना भर नहीं है। केंद्र सरकार ने उसका दर्जा बदल दिया। एक पूर्ण राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया। राज्य में विधानसभा पहले से भंग थी और चुनाव की प्रक्रिया स्थगित थी। ऐसे में जन भावना जानने का कोई साधन केंद्र के पास नहीं था। लेकिन उसने एकतरफा तरीके से एक राज्य का विभाजन कर दिया और उसका दर्जा बदल कर पूर्ण राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। उसके बाद भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने की कोई पहल राज्य में नहीं हो रही है। परिसीमन का काम पूरा हो गया है और नई मतदाता सूची बन चुकी है। इतना ही नहीं मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम भी लगभग हो चुका है। इस गर्मियों में विधानसभा का चुनाव होने की चर्चा थी। लेकिन अभी तक इस बारे में कोई सूचना नहीं है।

सो, विपक्षी पार्टियों को दिल्ली सरकार से अधिकार छीनने के लिए लाए गए अध्यादेश को सिर्फ दिल्ली के संदर्भ में देखने की बजाय व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। यह संघवाद की बुनियादी अवधारणा से जुड़ा मामला है। विपक्षी पार्टियों को शिकायत रही है कि केंद्र सरकार कहीं उप राज्यपाल के जरिए तो कहीं राज्यपाल के जरिए और कहीं केंद्रीय एजेंसियों के जरिए विपक्षी पार्टियों की सरकारों के कामकाज में दखल बढ़ा रही है या सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। यह आरोप पश्चिम बंगाल से लेकर बिहार, झारखंड से लेकर तेलंगाना और दिल्ली से लेकर पंजाब तक की सरकारों ने लगाए हैं। इन राज्यों में सत्तारूढ़ दलों ने दूसरी विपक्षी पार्टियों के साथ मिल कर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। उसमें उनको कामयाबी नहीं मिल पाई थी। उनके लिए केंद्र सरकार का अध्यादेश उसी मामले का विस्तार हो सकता है।

इसमें कई मामले एक साथ जुड़े हैं। संघवाद, संविधान का बुनियादी ढांचा, न्यायपालिका सब इससे जुड़े हैं। इस मामले में कानूनी लड़ाई अदालत में लड़ी जाएगी और विधायी लड़ाई संसद में। लेकिन एक राजनीतिक लड़ाई भी होगी, जिसकी तैयारी अरविंद केजरीवाल करते दिख रहे हैं। वे इस मसले पर विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर रहे हैं। उनके पक्ष में यह बात जाती है कि सभी विपक्षी पार्टियां इस संकट को अपने संकट के तौर पर देख सकती हैं क्योंकि हर राज्य को ऐसी कोई न कोई शिकायत केंद्र से जरूर रही है। यहां यह ध्यान रखने की जरूरत है संसद में विपक्ष विधायी लड़ाई नहीं जीत सकता है। राज्यसभा में, जहां सरकार का पूर्ण बहुमत नहीं है वहां भी उसे मुद्दों के आधार पर सहयोग करने वाली पार्टियों का समर्थन हासिल है। इसलिए अध्यादेश को कानून बनने से रोकने की लड़ाई सफल नहीं हो सकती है। फिर भी यह हारती हुई लड़ाई विपक्ष को एकजुट कर सकती है और इससे सड़क की लड़ाई को बल मिल सकता है।

ध्यान रहे केंद्र सरकार ने अध्यादेश के जरिए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले को पलटा है। इसलिए गर्मियों की छुट्टियों के बाद सर्वोच्च अदालत में एक बार फिर इस पर मंथन होगा और उसका फैसला जो भी होगा वह बहुत दूरगामी होगा। विधायी और न्यायिक लड़ाई के बीच विपक्षी पार्टियों की राजनीतिक लड़ाई का अपना महत्व होगा। असली दिलचस्पी का मुद्दा यही लड़ाई है क्योंकि इससे कुछ सवाल उठते हैं और हर घटना में साजिश देखने वालों की दिलचस्प व्याख्या भी सामने आती है। सवाल यह है कि क्या भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार को इसका अंदाजा नहीं था कि दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन कर अपने हाथ में लेने के इस प्रयास का उलटा असर हो सकता है? साजिश थ्योरी देखने वालों का मानना है कि विवाद बढ़ाने के लिए जान-बूझकर यह अध्यादेश लाया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि जान-बूझकर अरविंद केजरीवाल को मौका दिया गया है कि वे विपक्षी एकता की पहल अपने हाथ में लें। इससे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से फोकस हटेगा और कांग्रेस की दुविधा बढ़ेगी। अगर संघवाद के मसले पर केजरीवाल केंद्र सरकार और भाजपा से लड़ते दिखते हैं तो उनकी ताकत बढ़ेगी, जिसका इस्तेमाल वे कांग्रेस को कमजोर करने के लिए करेंगे।सो, इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि केंद्र ने इस अध्यादेश से एक तीर से कई शिकार करने का प्रयास किया है। इससे दिल्ली के प्रशासन पर केजरीवाल के नियंत्रण का प्रयास फेल होगा तो उनकी राजनीतिक ताकत बढ़ेगी, जिससे वे कांग्रेस को कमजोर करेंगे। साथ ही विपक्षी एकता बनवाने में उनकी भूमिका भी बढ़ेगी, जिससे नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, के चंद्रशेखर राव आदि के प्रयासों पर से फोकस हटेगा। ध्यान रखने की जरूरत है कि केजरीवाल कहीं भी सीधे तौर पर भाजपा के लिए चुनौती नहीं हैं- न विधानसभा चुनाव में और न लोकसभा चुनाव में। दीर्घावधि में पता नहीं क्या होगा लेकिन फिलहाल उनकी ताकत बढ़ने से विपक्ष और खास कर कांग्रेस कमजोर होगी, जिसका फायदा भाजपा को होगा।

सू- दोकू क्र.035

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.34 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

दूरगामी महत्तव का सहयोग

यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन की ब्रिक्स और एससीओ से निकट तालमेल बनाने की कोशिश का दूरगामी नतीजा हो सकता है। यह कोशिश उस समय और भी महत्त्वपूर्ण नजर आती है, जब ब्रिक्स और एससीओ के विस्तार का एजेंडा आगे बढ़ रहा है। यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन (यूएईयू) का ब्रिक्स और एससीओ से अंतर्संबंध बनाने के प्रयास के दूरगामी परिणाम हो सकते हैँ। यहां मंगलवार से शुरू हुए दो दिन के यूरेशियन इकॉनमिक फोरम में ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के साथ अंतर्संबंध बनाने पर चर्चा एक प्रमुख एजेंडा है। यूरेशियन इकॉनिक फोरम का आयोजन यूएईयू करता है। यह एक मुक्त व्यापार क्षेत्र है, जिसमें रूस, अर्मीनिया, बेलारुस, कजाखस्तान और किर्गिजस्तान शामिल हैं। रूस ब्रिक्स का भी सदस्य है, जिसमें उसके अलावा भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। एससीओ में रूस, चीन, भारत के साथ-साथ कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान भी शामिल हैं। ईरान को जल्द ही इसकी पूर्ण सदस्यता मिलने वाली है। जबकि अफगानिस्तान, अजरबैजान, बहरीन और मंगोलिया ने एससीओ की पूर्ण सदस्यता पाने की इच्छा जताई है। इनके अलावा 14 देश एससीओ के डायलॉग पार्टनर हैं, जिनमें सऊदी अरब, तुर्किये, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र भी शामिल हैँ। अगर धरती के भूगोल पर गौर करें, तो ये तमाम देश उसके बहुत बड़े हिस्से पर मौजूद नजर आएंगे। जनसंख्या के लिहाज से तो उनका वर्चस्व ही नजर आएगा।

इन संगठनों के सदस्यों का इस समय विश्व जीडीपी में हिस्सा 30 प्रतिशत से ज्यादा है। साल 2035 तक इसमें सिर्फ ब्रिक्स का हिस्सा 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। अगर ईएईयू की यह पहल कामयाब रही, तो उससे दुनिया में नया शक्ति संतुलन कायम करने की दिशा में हो रहे प्रयासों को एक बड़ा बल मिलेगा। मास्को बैठक में तीनों संगठनों के सदस्य देशों के बीच मौद्रिक और वित्तीय सहयोग की संभावनाओं को भी एजेंडे में रखा गया है। मकसद है आपसी व्यापार में भुगतान की नई व्यवस्था बनाने की दिशा में बढ़ना। यानी अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्चस्व को तोड़ना। जाहिर है, ऐसी कोशिशों के दूरगामी परिणाम होंगे। इस बीच ब्रिक्स के विस्तार की चर्चा भी अब जोर पकड़ती जा रही है। जून के पहले हफ्ते में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में इसकी कोई ठोस तस्वीर उभर सकती है। कई नए देशों को ब्रिक्स की सदस्यता मिल सकती है। ऐसा हुआ, तो यह अपने-आप में एक बड़ा घटनाक्रम होगा।(आरएनएस)

छोटे टॉप में सिमरन कौर ने दिए पोज

सोशल मीडिया पर अपने फैंस के दिलों के बेताब किए रहने वाली इंफ्लुएंसर सिमरन कौर एक मॉडल, एक्टर हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचाए रहती हैं। वहीं, उनकी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। बार्बी प्रिंटेड क्रॉप टॉप और शॉर्ट स्कर्ट में एक्ट्रेस सिमरन कौर गजब की बला लग रही हैं। ओपन हेयर स्टाइल और मिनिमल मेकअप के साथ सिमरन कौर कहर ढा रही हैं। सिमरन कौर इंटरनेट पर अपनी तस्वीरों से फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। सिमरन चाहे वेस्टर्न ड्रेस में हो या इंडियन ड्रेस में अपने हॉट अंदाज से फैंस को घायल करने से पीछे नहीं है।

सिमरन कौर की मदमस्त अदाएं देखकर फैंस आहें भरने को मजबूर रहते हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस आहें भरते रहते हैं।

सोशल मीडिया पर उनके लाखों में फॉलोवर्स हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 2.2 मिलियन फॉलोवर्स हैं। सिमरन कौर अपने अतरंगी रूपों के कारण अक्सर सुर्खियों का विषय बनी रहती हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। फैंस एक्ट्रेस की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं।

तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर कोरोनेशन जिला चिकित्सालय में तंबाकू निषेध के प्रति लोगों को शपथ दिलवाते हुए सीएमएस डा. शिखा जंगपांगी, समाज सेवी तथा उत्तराखंड रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री, वरिष्ठ चिकित्सक तथा चिकित्सा कर्मचारीगण।

जंगल में मिला युवक का शव

संवाददाता

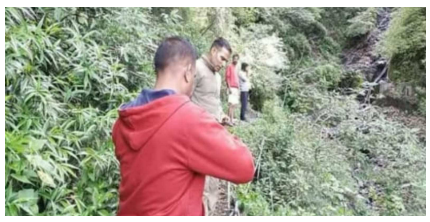

देहरादून। जंगल में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर सांय तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पायी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रातः मसूरी में लाईनमैन पानी की लाइन चेक कर रहा था। लाईन चेक करते हुए वह जंगल में चला गया जहां पर उसको एक युवक का शव पडे मिला। जिसके बाद वह वापस आ गया तथा क्षेत्रवासियों को बताया कि जंगल में शव पडा है। जिसके बाद क्षेत्रवासी वहां पर पहुंचे और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पायी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला कर्मचारी से मारपीट में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दून बिजनेस पार्क की महिला कर्मचारी के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईएसबीटी के पास दून बिजनेस पार्क के केदार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके आफिस की महिला कर्मचारी के साथ कुछ अज्ञात युवकों के द्वारा अभद्रता की गयी जब उसने उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर उसको घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पॉड टैक्सी परियोजना के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कैम्प कार्यालय में पॉड टैक्सी(पी0आर0टी0)परियोजना के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल को बैठक में मैट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों ने पॉड टैक्सी(पी0आर0टी0)परियोजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में जिलाधिकारी ने पॉड टैक्सी(पी0आर0टी0)परियोजना के सम्बन्ध में विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया तथा कुछ बिन्दुओं पर यथाशीघ्र स्थिति स्पष्ट करने के लिये मैट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) पी0एल0 शाह, सचिव एचआरडीए उत्तम सिंह चौहान, एमएनए दयानन्द सरस्वती, एसडीएम पूरण सिंह राणा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनीष दत्त, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण सुरेश तोमर, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई सुश्री मंजू, पीडी एनएचआई पी0एस0 गुसाईं, ईई यूपीसीएल एस एस उस्मान, मेट्रो परियोजना से जयनन्दन सिन्हा, मुख्य शिक्षा अधिकारी के0के0 गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

स्पा सेंटरों पर छापेमारी, 40 युवक-युवतियां हिरासत में

हमारे संवाददाता

सहारनपुर। लंबे समय से चले आ रहे 24 स्पा सेंटरों पर पुलिस की स्पेशल टीमों ने छापेमारी कर 40 युवक-युवतियों को हिरासत में लिया है। हांलांकि इस छापेमारी की सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं दी गई थी। जिनकी मामले में संलिप्पता पाये जाने पर दो चौकी इंचार्जो को निलम्बित कर दिया गया है। स्पा सेंटरों में छापेमारी के दौरान पुलिस को आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार पकड़े गए इन युवक और युवतियों से पुलिस पूछताछ की जा रही है। स्पा सेंटरों में पुलिस को तलाशी के दौरान आपत्तिजनक वस्तुएं भी बरामद हुईं। पूछताछ में यह बात सामने आई है कि स्पा सेंटर चलाने वाले लोग ग्राहकों के वॉट्सऐप पर लड़कियों की फोटो भेजते थे। लड़कियां पसंद आने पर वह ग्राहकों को बुलाते थे। इसके बाद रेट तय होने पर ग्राहकों को केबिन में भेज दिया जाता था।

सहारनपुर के एसएसपी डा. विपिन

❑दो चौकी इंचार्ज निलंबित

ताडा ने बताया कि उन्हें पिछले काफी समय से स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक काम की लगातार शिकायत मिल रही थी। बताया कि शिकायत मिलने के बाद एसपी सिटी के नेतृत्व में तीन स्पेशल टीम बनाई गई थी। इन टीमों ने स्पा सेंटरों पर छापेमारी की कार्रवाई की। बताया कि इस कार्रवाई के संबंध में संबंधित थानों और चौकी प्रभारियों को कोई सूचना नहीं दी गई थी। क्योंकि, संबंधित थाना और चौकी इंचार्जो की मिलीभगत की बात भी सामने आई थी।

जानकारी के मुताबिक एसपी सिटी द्वारा गठित एक टीम ने पार्श्वनाथ प्लाजा में छापा मारा वहीं दूसरी टीम ने सीओ द्वितीय जितेंद्र शर्मा के साथ जीएनजी मॉल और तीसरी टीम ने बेहट सीओ रूचि गुप्ता के साथ घंटाघर पर चल रहे स्पा सेंटरों में छापे की कार्रवाई की। वहां से पुलिस ने करीब 40 युवक और युवतियों को हिरासत में लिया और महिला थाने ले गए। पूछताछ के बाद लड़कियों को परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। वहीं, लड़के अभी पुलिस हिरासत में हैं। वहीं, छापेमारी के दौरान स्पा मालिक फरार हो गए। जबकि सेंटर के मैनेजर पकड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि स्पा सेंटर में पकड़ी गई युवतियां वहां पर काम करती हैं। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि कुछ पुलिसकर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध हैं। पता लगा है कि चौकी प्रभारियों को स्पा सेंटरों में गलत कार्य होने की जानकारी थी। इसके बाद भी इन्होंने कार्रवाई नहीं की। एसएसपी डा. विपिन ताडा के निर्देश पर चौकी हसनपुर इंचार्ज और चौकी किशनपुर इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही, दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।

डाक्टर से समय लेने के नाम पर ठगे 82 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। आरोग्यधाम हॉस्पिटल में डाक्टर से समय लेने के नाम पर 82 हजार रूपये ठगने के नाम पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चुक्खुवाला निवासी कल्पना मिश्रा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 14 मई 23 को उसके द्वारा गुगल पर आरोग्यधाम हास्पिटल का नंबर सर्च किया था जहॉ से उसको मोबाइल नम्बर प्राप्त हुआ था। जिस पर उसके द्वारा अपने निजी मोबाइल नंबर से संपर्क किया गया उनके द्वारा बताया गया कि वह उसको उसके व्हटसएप नंबर पर एक लिंक भेज रहे हैं जो लिंक भेजा गया जिसको उसके द्वारा क्लिक किया गया फिर उनके द्वारा बताया गया कि अब आप पेंशेंट का नाम डालें आपकी आवाइमेंट मिल गया है। 15 मई 23 साढे दस बजे का उसके बाद उन्होंने 10 रूपये का चार्ज करने को बोला कि अप्वाइंटमेट कूपन के लिये देना होगा। फिर उसी दिन उसको पता चला कि उसके खाते से उक्त अज्ञात मोबाइल धारक के द्वारा कुल 82,000 रूपये की धनराशी को धोखाधडी से हड़प लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जिलाधिकारी ने मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने मानसून सत्र से निपटने के लिए अधिकारियों को अभी से तैयार रहने के निर्देश दिए।

जिला कार्यालय सभागार कक्ष में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आगामी मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मानसून सत्र के दृष्टिगत जो भी पूर्व तैयारी की जानी है उसके लिए सभी विभागों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए कार्य योजना तैयार कर ली जाए। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के दृष्टि से आपदा कंट्रोल रूम सहित सभी तहसीलों के कंट्रोल रूम भी 24 घंटे के लिए संचालित करने के निर्देश दिए गए ताकि किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित होने पर इसकी सूचना संबंधित को दी जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी घटना के घटित होने पर तत्परता से आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा जिलाधिकारी ने श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सफलता से संचालित करने के लिए यात्रा मार्ग में किसी भी प्रकार की कोई समस्या को तत्परता से समाधान करना सुनिश्चित करें तथा यात्रा के दौरान यात्रियों को क्या सावधानियां बरती जानी है इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

उन्होंने सड़क मार्ग से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील एवं भूस्खलन क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए उन स्थानों पर जेसीबी मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जेसीबी मशीनों के ऑपरेटरों के मोबाइल नंबर आपदा कंट्रोल रूम, सभी तहसील कार्यालयों एवं पुलिस थानों में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि किसी भी क्षेत्र में भूस्खलन की स्थिति में यात्रा मार्ग को सुचारू किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने वैकल्पिक मार्गों को भी दुरस्त रखने के निर्देश दिए तथा नालियों एवं कलमटों की साफ-सफाई व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जनपद के अंतर्गत बाढ़ क्षेत्र, जल भराव की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी लेते हुए उनका चिन्हिकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी अभिमन्यु, मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद प्रसाद सिमल्टी, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग अपर्णा ढौंडियाल, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्र, तहसीलदार मंजू राजपूत, अधिशासी अभियंता जल संस्थान अनीश पिल्लई, जिला पूर्ति अधिकारी केके अग्रवाल, एनएच, विद्युत, कृषि, स्वास्थ्य आदि विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

एक नजर

राहुल गांधी को जिस विषय पर जानकारी न हो, उस पर बोलने से बचना चाहिएः सुखबीर बादल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। यहां वे अलग अलग कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं और तमाम मुद्दों पर अपनी बात रख रहे हैं। राहुल ने बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में भारतीयों को

संबोधित करते हुए दावा किया कि गुरु नानक देव थाईलैंड की यात्रा पर गए थे। राहुल के इस दावे पर विवाद हो गया है। शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी ने इसे लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। अकाली दल के प्रमुख सुखबीर बादल ने कहा, राहुल गांधी को उन विषयों पर बोलने से बचना चाहिए जिनके बारे में उन्हें न तो ज्ञान है और न ही समझ। वह स्पष्ट रूप से यह नहीं जानते कि श्री गुरु नानक देव जी की दृष्टि भौगोलिक सीमाओं को लांघती है और न केवल वैश्विक बल्कि लौकिक भी है। यह कहना कि गुरु साहिब भारत जोड़ो यात्रा पर मक्का या थाईलैंड या श्रीलंका गए थे, यह हास्यास्पद है।

भारत- नेपाल के बीच शुरू होगी जोगबानी बिराटनगर क्रॉस बॉर्डर रेल सेवा

नई दिल्ली। भारत-नेपाल को जोड़ने वाली जोगबानी-बिराटनगर क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक प्रोजकेट आज (1 जून) से शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली से वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। दरअसल, नेपाल रेल प्रोजेक्ट के तहत अररिया के बथनाहा से नेपाल सीमा क्षेत्र में नेपाल कस्टम यार्ड तक एक जून से मालवाहक ट्रेनों का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने के लिए एनएफ रेलवे मालीगांव के एजीएम सतेन्द्र कुमार

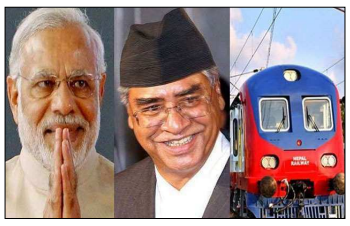

बुधवार (31 मई) को बथनाहा पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बथनाहा से लेकर इंडियन कस्टम यार्ड और फिर नेपाल कस्टम यार्ड तक की तैयारियों का जायजा लिया। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, एजीएम सतेन्द्र कुमार के साथ इस दौरान डीआरएम समेत रेलवे की पूरी टीम मौके पर मौजूद रही।

भोजपुरी गायिका निशा उपाध्याय को लगी गोली

छपरा। भोजपुरी इंडस्ट्रीज की जानी-मानी भोजपुरी गायिका निशा उपाध्याय को छपरा में स्टेज शो के दौरान गोली लगने की जानकारी मिली है। छपरा में स्टेज शो के दौरान मंगलवार की रात को निशा उपाध्याय को हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लग गई, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। स्थिति को देखते हुए निशा को

पटना रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि निशा उपाध्याय एक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देने के लिए छपरा आईं थीं, जहां बीच कार्यक्रम में ही स्थानीय लोगों के द्वारा हर्ष फायरिंग शुरू कर दी गई। इस दौरान एक गोली निशा के पैर में लग गई। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया। गंभीर स्थिति में निशा को पटना के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने निशा उपाध्याय का ऑपरेशन कर पैर से गोली को निकाल दिया है। घटना को लेकर स्थानीय पुलिस को कोई भी जानकारी नहीं है।

ड्रग्स फैक्ट्री का भांडाफोड़: 30 किलो एमडीएम ड्रग्स बरामद, 3 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में अवैध ड्रग्स के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। दो सप्ताह में दूसरी बार यहां बड़ी ड्रग्स फैक्टरी का खुलासा हुआ है। पुलिस ने तीन विदेशी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। साथ ही वहां से अवैध ड्रग्स मटेरियल सहित करोड़ों रुपए के ड्रग्स बरामद की है। पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास व गिरोह के सदस्यों की कुंडली खंगाल रही है। मंगलवार को पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में मिंत्रा एनक्लेव के मकान नंबर बी 7 में अवैध ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा हुआ। यहां से 30 किलो एमडीएम ड्रग्स बरामद हुआ। साथ ही ड्रग्स बनाने के उपकरण, रासायनिक पदार्थ, ड्रग्स की सप्लाई में प्रयोग की जाने वाली 2 कार बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिमोन, केसीएना रेमी और ईगवे सोलोमनके रूप में की गई है।

मानसखंड मंदिर माला मिशन के कार्यो में तेजी लायें:धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में चिन्हित 16 मंदिरों की भव्यता के लिए किये जा रहे कार्यो में तेजी लायी जाये।

आज यहां मुख्यमंत्री आवास में अधिकारियों की बैठक लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में चिन्हित 16 मन्दिरों की भव्यता के लिए किये जा रहे कार्यों में तेजी लाई जाए। इन मंदिरों के मार्गों में आवागमन की बेहतर सुविधा के साथ ही अन्य जो भी विकास किया जाना है, उसको सुनियोजित तरीके से समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नें मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के सबंध में बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मंदिरों के आस-पास श्रद्धालुओं के लिए ठहरने के लिए होटल, होम स्टे आदि की भी बेहतर व्यवस्थाएं करनी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत जो भी कार्य किये जा रहे हैं, 20 से 25 सालों में इन धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या को ध्यान में रखते हुए किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत जो मंदिर विकसित किये जा रहे है, श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए आवागमन की और बेहतर सुविधाएं मिले इस दिशा में निरन्तर कार्य किये जायेंगे। इसके लिए रोड़ कनेक्टिविटी को और मजबूत किया जायेगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानसखण्ड कोरिडोर के लिए सड़कों के चौड़ीकरण, सुधारीकरण एवं डामरीकरण के जो कार्य चल रहे हैं उनमें तेजी लाई जाय। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत पहले चरण में 16 मंदिरों की भव्यता के लिए कार्य किया जा रहा है। जिसमें जनपद अल्मोड़ा में जागेश्वर महादेव मंदिर, चितई गोलू मंदिर, सूर्यदेव मंदिर कटारमल, कसार देवी मंदिर, नन्दा देवी मंदिर, जनपद पिथौरागढ़ में पाताल भुवनेश्वर मंदिर, हाट कालिका मंदिर, जनपद बागेश्वर में बागनाथ मंदिर, बैजनाथ मंदिर, जनपद चम्पावत में पाताल रूद्रेश्वर, मां पूर्णागिरी मंदिर, मां बाराही देवी मंदिर, बालेश्वर मंदिर, नैनीताल जनपद में नैनादेवी मंदिर, कैंचीधाम मंदिर एवं जनपद उधमसिंहनगर में चौतीधाम मंदिर शामिल हैं। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जोशीमठ में फिर भू-धसाव का खतरा

जोशीमठ (विसं)। बद्रीनाथ धाम के सबसे मुख्य पड़ाव जोशीमठ में एक बार फिर भू धसाव की खबरों ने शासन-प्रशासन और स्थानीय लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। पूर्व समय में भू धसाओ के कारण खाली कराए गए मकान, दुकानों में आई दरारों की चौड़ाई बढ़ने की खबर से हड़कंप मचा हुआ है। पूर्व समय में भू-धसाव की जद में आए आधे जोशीमठ में बड़ा नुकसान हुआ था। शासन-प्रशासन द्वारा कई सरकारी भवनों और बड़े होटलों सहित खतरे की जद में आए भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई थी जबकि आवासीय कुछ कालोनी और मोहल्लों को खाली करा लिया गया था। लोगों को राहत शिविरों और किराए के मकानों की शरण लेनी पड़ी थी पीड़ितों को मुआवजा और उनके विस्थापन की समस्या से जूझ रही सरकार ने उस वक्त चैन की सांस ली जब यहां सर्वे के लिए आई भू वैज्ञानिकों व शोध टीमों ने अपनी रिपोर्ट में भू धसावों के थमने की बात कही। जिसके बाद प्रभावित क्षेत्रों के कुछ लोग अपने क्षतिग्रस्त घरों में लौट आए लेकिन बीते 2 दिनों से क्षेत्र वासियों द्वारा पुरानी दरारों के चौड़े होने व नई दरारों के आने की बात कहे जाने की खबर ने फिर हड़कंप पैदा कर दिया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बीते दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भी यह दरारे चौड़ी होना एक कारण हो सकता है लेकिन इन दरारों की चौड़ाई 2 दिन में 1 से 2 इंच तक बढ़ने की बात कही जा रही है जो चिंता का विषय है। डीएम चमोली का कहना है कि यह मामला उनके संज्ञान में लाया गया है तथा प्रशासन इस पर नजर बनाए हुए हैं।

दरकते पहाड़ यात्रा में बाधक बने

●रजिस्ट्रेशन में 15 जून तक लगाई रोक
●धामों में यात्रियों की भीड़, व्यवस्था धड़ाम

विशेष संवाददाता

देहरादून। खराब मौसम की मार अब चारधाम यात्रियों के लिए परेशानी का बड़ा सबब बनती जा रही है। बारिश और बर्फबारी के बीच दरकते पहाड़ और सड़कों पर मलबा तथा कीचड़ के कारण यात्रियों पर न सिर्फ जान का खतरा बन चुके हैं बल्कि उन्हें अन्य कई तरह की दिक्कतों से भी दो-चार होना पड़ रहा है। धामों की व्यवस्थाएं चरमरा चुकी है। खास बात यह है कि शासन-प्रशासन की रोकथाम और अपील के बाद भी भारी संख्या में यात्री धामों में पहुंच रहे हैं।

राज्य में लगातार हो रही बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी का क्रम जारी है जिसके कारण अब भूस्खलन की स्थिति पैदा हो गई है। बात चाहे गंगोत्री हाईवे की हो जहां गंगनानी के पास सड़क पर मलबा और कीचड़ के कारण आवाजाही मुश्किल हो गई और जाम लगा रहता है अथवा यमुनोत्री हाईवे की जहां डबरकोट के पास ऐसा भूस्खलन जोन बन गया है कि कई-कई घंटे तक मार्ग अवरुद्ध रहता है और कई-कई किलोमीटर लंबे जाम में यात्री फंसे रहते हैं। जानकीचट्टी से लेकर यमुनोत्री तक का सफर अत्यंत ही दूभर हो चुका है। वही केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को सोनप्रयाग से लेकर गौरीकुंड और धाम तक जिस तरह के कठिन मार्ग से गुजरना पड़ रहा है वह जान जोखिम में डालने से कम नहीं है।

उधर पिथौरागढ़ से प्राप्त समाचार के अनुसार तवाघाट लिपुलेख मार्ग पर भारी भूस्खलन होने की खबर है। चीन के बॉर्डर को जोड़ने वाले इस मार्ग पर हुए भारी भूस्खलन के कारण आदि कैलाश की यात्रा भी प्रभावित हो रही है। यह तीसरी बार है जब इस मार्ग पर भूस्खलन के कारण यातायात बंद हुआ है। यहां आवाजाही ठप होने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई है तथा बीआरओ की टीम रास्ता खोलने में जुटी हुई है। यही नहीं देहरादून से लेकर चमोली तक और मसूरी तक बारिश और आंधी तूफान से तबाही मची हुई है।

शासन-प्रशासन द्वारा तमाम एहतियात बरते जा रहे हैं केदार धाम के लिए अब 15 जून तक के लिए रजिस्ट्रेशन बंद कर दिए गए हैं लेकिन फिर भी धाम में क्षमता से अधिक यात्री पहुंच रहे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।